पाठ 5

समय बड़ा अनमोल

आइए सीखें –

● समय का महत्व जानकर समय पर काम करने की प्रेरणा। ● महापुरुषों के प्रसंगों द्वारा समय के सदुपयोग की प्रेरणा। ● समान भिन्नार्थक शब्द। ● लिंग तथा वचन परिवर्तन तथा अनेक शब्दों या वाक्यांश के लिए एक शब्द की समझ।

शिवनारायणजी गाँव के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। बच्चों से उन्हें बहुत लगाव है। प्यार से सभी बच्चे उन्हें दादाजी कहते हैं। दादाजी बच्चों को तरह–तरह की कहानियाँ सुनाते, पहेलियाँ बुझाते। बच्चे भी उनसे प्रश्न करते और आनन्दित होते। हर रविवार की तरह इस बार भी बच्चे दादाजी के घर के सामने बने बगीचे में बैठे थे।

दादाजी आज अपनी बात शुरू कर पाते इससे पहले ही सुबोध बोल पड़ा– दादाजी! बड़े भैया दीदी से पूछ रहे थे कि ऐसी कौन सी वस्तु है जो सबसे अमूल्य है, आप बताइए न!

दादाजी – अच्छा! सौरभ तुम ही बताओ इस प्रश्न का उत्तर।

सौरभ – (सोचकर) सोना–चाँदी।

दादाजी – और सोच कर सही बताने का प्रयास करो।

सौरभ– अच्छा, मुझे सोचने दो। वह चीज तरल है या ठोस।

दादाजी– न तरल है न ठोस।

सुबोध – तो मैं बताता हूँ फिर तो वह हवा ही होगी।

दादाजी– अच्छा! मैं संकेत देता हूँ, बताओ तो जानें! वह एक बार निकल जाने के बाद दोबारा नहीं आता। (सब चुप हो जाते हैं। बच्चों की स्थिति भाँप कर दादाजी स्वयं बताते हैं।)

शिक्षण संकेत – ● शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करें। ● समय के महत्व को बताने वाली कुछ और घटनाएँ बच्चों को सुनाएँ।

दादाजी – वह वस्तु समय है। समय अमूल्य है, जिसकी कीमत नहीं चुकाई जा सकती। एक बार निकल जाने के बाद समय फिर से नहीं लौटता।

सुकृति – 'दादाजी! विद्यालय की दीवार पर एक वाक्य लिखा है, 'जो समय को नष्ट करता है, उसे समय नष्ट कर देता है' इसका क्या आशय है?

दादाजी– इसका अर्थ है, जो व्यक्ति समय का सदुपयोग नहीं करते, वे अपने जीवन में पिछड़ जाते हैं। उनका जीवन नष्ट हो जाता है।

सौरभ – इसी तरह दादाजी, जो बच्चे समय पर स्कूल पढ़ने नहीं जाते और व्यर्थ में इधर–उधर घूमकर समय नष्ट कर देते हैं, वे कक्षा में पिछड़ जाते हैं और बाद में पछताते हैं।

दादाजी – बिल्कुल ठीक। इसी को कहते हैं कि ''अब पछताए होत का जब चिड़िया चुग गई खेत''। चिड़िया से याद आया कि चिड़ियाँ भी समय पर चहकने लगती हैं। मुर्गा सुबह, समय पर बाँग देता है।

सौरभ – दादाजी! सूरज भी तो समय से उदित होता है और समय से ही अस्त हो जाता है।

दादाजी ने सबको समझाते हुए बताया कि प्रकृति में होने वाली सभी घटनाएँ समय से होती हैं। समय से ही ऋतुएँ आकर अपना–अपना कार्य करती हैं।

दादाजी – अच्छा अब ऐसे महापुरुष का नाम बताओ जिसके जीवन में समय का बहुत महत्व रहा हो?

तराना – उसकी कोई पहचान बताएँ तो मैं उसका नाम बता दूँगी।

दादाजी – वे घड़ी हाथ में नहीं पहनते थे, कमर में लटकाते थे। उन्होंने बिना हथियार के स्वतन्त्रता की लड़ाई लड़ी।

तराना – तब तो निश्चित ही वे महात्मा गांधी ही थे।

दादाजी – हाँ! एकदम ठीक पहचाना। महात्मा गांधी ही वे महापुरुष हैं जिनके जीवन में समय का बड़ा महत्व था। इससे सम्बन्धित उनके जीवन की एक घटना सुनाता हूँ।

सभी मिलकर– अवश्य, दादाजी!

दादाजी – सुनो, गांधी जी प्रतिदिन नियत समय पर प्रार्थना स्थल में जाकर प्रार्थना के बाद भाषण देते थे। एक बार उनके लिए ताँगा आने वाला था, परन्तु ताँगे वाला कोई दूसरी सवारी लेकर चला गया। गांधीजी बार–बार घड़ी की ओर देख रहे थे। एकाएक उन्होंने पास खड़े आश्रमवासी से कहा– ''भाई! जल्दी से एक साइकिल मँगा दीजिए।'' साइकिल आई, महात्माजी साइकिल पर सवार होकर शीघ्रता से सभा स्थल की ओर बढ़े। सभा स्थल पर पहुँच कर वे जल्दी से मंच पर जा पहुँचे। उन्होंने घड़ी पर दृष्टि डाली और फिर चैन की साँस ली। वह हाँफ रहे थे परन्तु उनके चेहरे पर सन्तोष था। उन्होंने ठीक समय पर भाषण आरम्भ कर दिया। ऐसे थे समय के पाबन्द हमारे महात्मा गांधी।

गांधीजी के इस प्रसंग को सुनाने के बाद दादाजी बच्चों को अपने कमरे में ले गए। जहाँ कई प्रकार के चित्रों, चार्टों, पुस्तकों का संकलन था। कुछ चित्र, चार्ट दीवार पर प्रदर्शित किए गए थे। दादाजी ने एक चित्र बच्चों को दिखाया, चित्र अद्भुत था। आकाश में उड़ते हुए व्यक्ति के पैरों में पंख लगे थे और चेहरा बालों से ढँका हुआ था।

दादाजी– सोचो, यह चित्र उस वस्तु के बारे में है जो कभी लौटकर नहीं आती। जिसका गांधी जी के जीवन में भी बड़ा महत्व था।

सुकृति – वह तो समय ही था ..... लेकिन यह पंख वाला व्यक्ति और चेहरा ढँका हुआ . ..... ठीक ठीक समझाइए न दादाजी।

दादाजी– ठीक है। तो सुनो! यह व्यक्ति समय के रूप में दिखाया गया है। यह समय ही है जो व्यक्ति के सामने से बिना रुके निकल जाता है। समय के मूल्य को जानने वाले लोग उसे पहचान लेते हैं और अपना कार्य पूरा करते हैं। वे लोग जो समय को नहीं पहचान पाते, उनके सामने से समय निकल जाता है। समय अपना चेहरा इसीलिए छिपाए रहता है कि उसकी पहचान करने वाले ही उसका लाभ ले सकें। आई न बात समझ में।

सभी बच्चे दादाजी की बातें ध्यान से सुन रहे थे। तभी सुकृति ने दादाजी से कहा ''दादाजी कोई ऐसी कविता सुनाइए ना जिससे समय का महत्व पता चल सके।''

दादाजी बोले– समय बड़ा बलवान होता है। समय को परखने वाला रंक से राजा और उपेक्षा करने वाला राजा से रंक हो जाता है। अतः हमें समय की गति और उसके स्वभाव को पहचानना चाहिए। अच्छा! सुनो कबीरदासजी का यह दोहा समय के महत्व को अच्छी तरह से स्पष्ट करता है।

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब ।

पल में परलय होयगी बहुरि करेगा कब ।।

दादाजी ने कहा– ''हमें समय से ही जब सब काम करने हैं तो चलो! अब भोजन का समय हो गया है, भोजन करें।'' सभी बच्चे प्रसन्नतापूर्वक अपने–अपने घर चल दिए।

शब्दार्थ

प्रतिष्ठित–सम्माननीय। भाँप कर – समझकर,। अमूल्य– जिसका मूल्य न हो। विचारक – विचार करने वाला। क्षणिक–क्षण भर। सदुपयोग– अच्छा उपयोग। व्यर्थ–बेकार चहकना– चिड़ियों का बोलना। उदित– निकलना, उदय होना। अस्त – डूबना। महापुरुष–अच्छे कार्य करने वाला महान पुरुष। आश्रमवासी– आश्रम में रहने वाला। चैन की साँस–सन्तोष अनुभव करना। रंक–निर्धन, गरीब। बलवान– ताकतवर। प्रगति– उन्नति, विकास। उपेक्षा–ध्यान न देना।

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) ऐसी कौन सी वस्तु है जो सबसे अमूल्य है?

(ख) महात्मा गांधी को भाषण देने साइकिल से क्यों जाना पड़ा?

(ग) समय की कीमत न जानने वाले व्यक्ति कैसे होते हैं?

(घ) वाक्य पूरा कीजिए –

(क) ———— रंक से राजा हो जाता है।

(ख) ———— राजा से रंक हो जाता है।

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध उच्चारण कीजिए और अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिए–

प्रदर्शित, निवृत, भाँपकर, क्षणिक, ऋतु, आश्रमवासी

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

समय, सदुपयोग, सन्तोष, अद्‌भुत, अमूल्य

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार लिंग परिवर्तन करते हुए वाक्यों को पुनः लिखिए–

उदाहरणः नौकर सब्जी लाता है। नौकरानी सब्जी लाती है।

1. राजा घूमने जाता है। ————————————————————

2. पुत्री बाजार जाती है। ————————————————————

3. पुजारी पूजा करता है। ————————————————————

4. गायिका गीत गाती है। ————————————————————

4. नीचे लिखे गए शब्दों का अन्तर समझते हुए, उन्हें वाक्य में प्रयोग कीजिए–

उदाहरण– बाग– बाँग

मेरे घर के पास एक बाग है।

मुर्गा सुबह बाँग देता है।

तागा – ताँगा

सास – साँस

पाव – पाँव

————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

————————————————————

5. **'कक्ष' शब्द लगाकर नए शब्द बनाइए–**

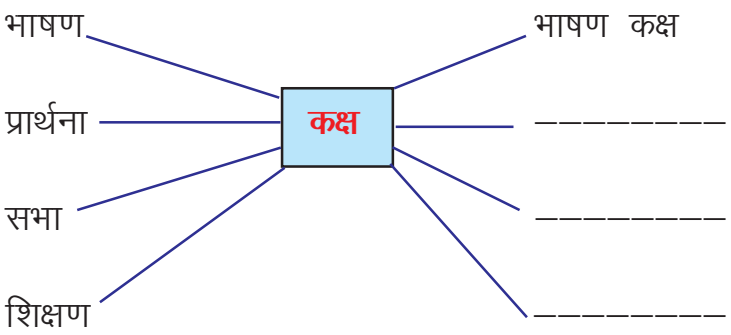

6. **नीचे बनी तालिका में कुछ शब्द दिए हुए हैं। इनके सामने विलोम शब्द सही क्रम में नहीं है। उनकी सही जोड़ी बनाइए–**

सुबह	सफेद	
ठोस	अवनति	————————
उदय	अहिंसा	————————
रंक	तरल	————————
काला	अस्त	————————
उन्नति	राजा	————————
हिंसा	शाम	————————

7. **नीचे दी तालिका में निर्देशानुसार बहुवचन बनाइए–**

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
लड़का	लड़के	नदी	नदियाँ
केला	———	पहेली	———
ताला	———	कहानी	———
बेटा	———	थाली	———
मुर्गा	———	नारी	———

8. वाक्यांश के लिए उनके सामने एक शब्द लिखिए–

(क) मन्दिर में पूजा करने वाला ——————————

(ख) चित्र बनाने वाला ——————————

(ग) गाँव में रहने वाला ——————————

(घ) काम से जी चुराने वाला ——————————

(ड.) जो जन्म से अंधा है ——————————

9. निम्नलिखित शब्दों में से हिन्दी और उर्दू के शब्दों का चयन कर उन्हें पृथक–पृथक लिखें–

प्रतिष्ठित, चेहरा, परेशान, अमूल्य, दंग, महत्व

हिन्दी	उर्दू
————————	————————
————————	————————
————————	————————

योग्यता विस्तार–

- अपना हर काम समय पर कीजिए और अपने मित्रों में इसकी चर्चा कीजिए।
- समय की पाबन्दी से क्या लाभ हैं सूची बनाइए।
- ऐसे आदर्श वाक्यों (कथनों) का संग्रह कीजिए जिनसे समय का महत्व ज्ञात होता है।